भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 944
दिनांक 22 जुलाई, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 भारत की रिपोर्ट

944. **श्री भोला सिंह:**
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:
डॉ. सुकान्त मजूमदार:
श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):
श्री राजा अमरेश्वर नाईक:
श्री विनोद कुमार सोनकर:
डॉ. जयंत कुमार राय:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण एनएफएचएस-5 (2019-21) के पांचवें दौर की रिपोर्ट जारी कर दी है;
(ख) यदि हां, तो एनएफएचएस 4 की तुलना में एनएफएचएस 5 के प्रमुख निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या एनएफएचएस-5 उन महत्वपूर्ण संकेतकों के बारे में जानकारी प्रदान करता है जो सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति को ट्रैक करने में सहायक हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी भी जारी की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड) एनएफएचएस 5 में निष्कर्षों के आधार पर नीति निर्माण और प्रभावी कार्यक्रम कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) और (ख): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में पांचवे दौर की राष्ट्रीय रिपोर्ट जारी की है जो पब्लिक डोमेन (http://rchiips.org/nfhs/) में उपलब्ध है। एनएफएचएस- 4 (2015-16) की तुलना में एनएफएचएस- 5 (2019-21) के मुख्य निष्कर्ष अनुलग्नक- I में दिए गए हैं।

(ग): एनएफएचएस- 5 में प्राप्त विभिन्न महत्वपूर्ण संकेतकों के बारे में सूचना स्वास्थ्य लक्ष्यों से संबंधित एसडीजी की मॉनिटरिंग के लिए उपयोग में लाई जाती है। भारत ने विभिन्न स्वास्थ्य सकेंतकों जैसे कुल प्रजनन दर (टीएफआर), गर्भवती महिलाएं जो पहली तिमाही में एएनसी में आई थी का अनुपात, संस्थागत जन्म, बाल प्रतिरक्षण आदि में महत्वपूर्ण प्रगति की है। एसडीजी के संकेतकों की सूची, जहां एनएफएचएस- 5 आकड़ों का स्रोत है अनुलग्नक- II में दी गई है।

(घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2020-21 के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी (आरएचएस) प्रकाशित की है। यह सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध स्वास्थ्य अवसंरचना और मानव संसाधनों के बारे में सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

आरएचएस 2020-21 के अनुसार, देश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में क्रमश: 1,57,819 उप केंद्र (एससी), 30,579 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और 5,951 समुदाय स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कार्यरत हैं। इसके अलावा, समूचे देश में कुल 1,224 उप मंडल/ उप जिला अस्पताल और 764 जिला अस्पताल (डीएच) कार्य कर रहे है।

(ङ): बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं औऱ सुविधाएं सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों/ यूटी प्रशासन की होती है। तदनुसार, मंत्रालय ने एनएफएचएस-5 के मुख्य निष्कर्षों के प्रसार के लिए राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की है। इन कार्यशालाओं के दौरान एनएफएचएस- 5 के मुख्य निष्कर्षों को राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, केंद्रीय मंत्रालयों एवं अन्य हितधारकों के साथ नीति/ अनुसंधान प्रयोजन और विभिन्न स्कीमों/ कार्यक्रमो की प्रभावी मॉनिटरिंग और कार्यान्वयन हेतु साझा किया गया है।

अनुलग्नक I

एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में एनएफएचएस-5 (2019-21) से प्राप्त प्रमुख निष्कर्ष

- भारत ने हाल के वर्षों में जनसंख्या नियंत्रण उपायों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कुल प्रजनन दर (टीएफआर), अर्थात् प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या, एनएफएचएस-4 और 5 के बीच में राष्ट्रीय स्तर पर 2.2 से घटकर 2.0 हो गई है।
- समग्र गर्भनिरोधक व्याप्तता दर (सीपीआर) देश में 54% से बढ़कर 67% हो गई है। लगभग सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में गर्भनिरोधकों के आधुनिक तरीकों का उपयोग भी बढ़ा है। परिवार नियोजन की अपूर्ण आवश्यकताओं में 13 प्रतिशत से 9 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है। अंतराल की अपूर्ण आवश्यकता, जो अतीत में भारत में एक प्रमुख समस्या बनी हुई थी, 4 प्रतिशत से भी कम हो गई है।
- एनएफएचएस -4 और एनएफएचएस -5 के बीच में पहली तिमाही में एएनसी में आने वाली गर्भवती महिलाओं का अनुपात 59 से 70 प्रतिशत तक बढ़ गया है। वे माताएं जो एएनसी में कम से कम 4 बार आई हैं का राष्ट्रीय प्रतिशत 2015-16 में 51 प्रतिशत से बढ़कर 2019-21 में 58 प्रतिशत हो गई है।
- भारत में संस्थागत जन्म 79 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत तक पहुंच गया हैं। यहां तक कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 87 प्रतिशत जन्म स्वास्थ्य केंद्रों मे होते हैं और शहरी क्षेत्रों 94 प्रतिशत है।
- एनएफएचएस- 4 के 62 प्रतिशत की तुलना में एनएफएचएस- 5 में 12-23 महीने की आयु के तीन-चौथाई से अधिक (76.4%) बच्चों को पूरी तरह से प्रतिरक्षित किया गया है।

अनुलग्नक II

एसडीजी संकेतकों की सूची, जहां एनएफएचएस-5 डेटा स्रोत है

क्रं.सं.	संकेतक
1	एक स्वास्थ्य योजना या स्वास्थ्य बीमा द्वारा कवर किए गए किसी भी सामान्य सदस्य सहित परिवारों का प्रतिशत
2	5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का प्रतिशत जिनका वजन कम हैं
3	5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का प्रतिशत जो अविकसित हैं
4	5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में प्रकार से कुपोषण का प्रसार, (वेस्टिंग और अधिक वजन)
5	गर्भावस्था की स्थिति (प्रतिशत) द्वारा 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में एनीमिया का प्रसार
6	महिलाओं का प्रतिशत (15-49 वर्ष) जिनका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) सामान्य से कम है
7	6-59 महीने की आयुके बच्चों का प्रतिशत जो एनीमिक हैं (<11.0g / dl)
8	कुशल स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कराए गए प्रसवों का प्रतिशत (अवधि 5 वर्ष)
9	कुशल स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कराए गए जन्मों का प्रतिशत (अवधि 1 वर्ष)
10	पिछले शिशु जन्म के लिए,जीवित जन्म वाली 15-49 वर्ष की आयु की महिलाओं का प्रतिशत, चार गुना या उससे अधिक (अवधि 5 वर्ष / 1 वर्ष) जिन्होंने प्रसवपूर्व परिचर्या प्राप्त की,
11	जनसंख्या का प्रतिशत (पुरुष (15-49 वर्ष) और महिलाएं (15 - 49 वर्ष)) जो कुल आबादी जो शराब पीते हैं (पुरुष (15-49 वर्ष) और महिलाओं (15 - 49 वर्ष)) में से सप्ताह में एक बार शराब पीते हैं, ।
12	लिंग वार जनसंख्या का प्रतिशत (15 वर्ष और उससे अधिक) जो शराब का सेवन करते हैं,
13	वर्तमान में 15-49 वर्ष की आयु की विवाहित महिलाओं का प्रतिशत, जिन्हें आधुनिक तरीकों से संतुष्ट परिवार नियोजन की आवश्यकता है और आधुनिक तरीकों से संतुष्ट हैं।
14	संस्थागत जन्म का प्रतिशत (5 वर्ष)
15	वर्तमान में विवाहित महिलाओं (15-49 वर्ष) का प्रतिशत जो किसी भी आधुनिक परिवार नियोजन विधियों का उपयोग करते हैं
16	15-19 वर्ष की आयु की महिलाओं का प्रतिशत जो पहले से ही माताएं या गर्भवती थीं
17	वर्तमान में विवाहित महिलाओं (15-49 वर्ष) का प्रतिशत जो किसी भी आधुनिक परिवार नियोजन विधियों का उपयोग करते हैं
18	15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों और महिलाओं में उच्च रक्तचाप का प्रसार (प्रतिशत में)
19	15-49 आयु वर्ग की आबादी का प्रतिशत, जिन्होंने सूचित किया था कि मधुमेह वाले उस आयु वर्ग की कुल आबादी में से उपचार लिया है।
20	30-49 वर्ष की आयु की महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने कभी भी गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए स्क्रीनिंग कराई हैं।
21	15-49 वर्ष की आयु वर्ग में अस्थमा की रिपोर्ट करने वाले पुरुषों और महिलाओं का अनुपात
22	12-23 महीने की आयु के बच्चों का प्रतिशत जिन्होंने बीसीजी, खसरा और पोलियो और डीपीटी या पेंटा वैक्सीन की तीन-तीन खुराक (जन्म के समय दिए गए पोलियो वैक्सीन को छोड़कर) के साथ पूरी तरह से टीकाकरण कराया है।
23	18-49 वर्ष की आयु की विवाहित महिलाओं का अनुपात जिन्होंने पिछले 12 महीनों में पति / साथी द्वारा शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा का अनुभव किया है
24	18-49 वर्ष की आयु की उन महिलाओं और लड़कियों का अनुपात जिन्होंने पिछले 12 महीनों में एक अंतरंग साथी के अलावा अन्य व्यक्तियों द्वारा यौन हिंसा का सामना किया।
25	20-24 वर्ष की आयु की महिलाओं का प्रतिशत जो 18 वर्ष की आयु पर विवाहित थी।
26	वर्तमान में 15-49 वर्ष की आयु की विवाहित महिलाओं के लिए परिवार नियोजन की अपूर्ण आवश्यकता (प्रतिशत में)
27	एचआईवी / एड्स के व्यापक ज्ञान सहित 15-24 वर्ष की आयु की आबादी का प्रतिशत